

# एक परिवार की तरह हो कंपनी का कल्चर, मुखिया करे सबकी परवाह

स्थापना दिवस कार्यक्रम में बताई सफल कंपनियों की रणनीति

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

इंदौर • कोई भी कंपनी तभी सफल होती है, जब उसका वर्ककल्चर एक परिवार की तरह होता है और मुखिया कंपनी के हर कर्मचारी की परिवार के सदस्य की तरह परवाह करता है। यह बात फ्यूचर ग्रुप के फूड बिजनेस सीईओ सदाशिव नायक ने आइआइएम इंदौर के 23वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम उल्लास में कही। उन्होंने कहा, बड़ी सफलता के लिए हमें अपनी कंपनी के छोटे से छोटे पद पर काम कर रहे कर्मचारी पर भी पूरा ध्यान देना चाहिए और उसका आत्मविश्वास और धैर्य निखारते रहना चाहिए।

इस मौके पर आइआइएम के निदेशक हिमांशु राय ने कहा, स्थापना दिवस के मौके पर हमें नींव की बात करना चाहिए। वास्तव में नींव का क्या अर्थ है और यह क्या है जिससे एक देश या दुनिया की स्थापना की जानी चाहिए। मेरा



सदाशिव नायक।

मानना है कि मानव जाति की नींव 'धर्म' है। यहां धर्म का मतलब आस्था या विश्वास प्रणाली से नहीं है। मनुष्यों का धर्म मानवता होना चाहिए। मनुष्यों और जानवरों के बीच मानवता ही एकमात्र अंतर है। दुनिया को सामाजिक रूप से जागरूक नेताओं की जरूरत है, जिनमें धर्म के 10 गुण अनिवार्य हैं। इनमें धृति (धैर्य), क्षमा (माफ़ी), दम (मन पर नियंत्रण), अस्तेय (चोरी न करना), शौच (स्वच्छ मन और शरीर), इन्द्रिय निग्रह (मन पर नियंत्रण), धी (बुद्धि), विद्या

(शिक्षित और साक्षर होने में अंतर समझना), सत्यम (सत्य का पालन करें) और अक्रोध (क्रोध पर नियंत्रण) करना शामिल है।

इस अवसर पर, संस्थान ने सर्वश्रेष्ठ शिक्षक और सर्वश्रेष्ठ स्टाफ सदस्यों के लिए एक पुरस्कार समारोह भी आयोजित किया। इसके अलावा, संस्थान में 10 और 20 वर्ष की सेवा पूरी करने वाले कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया। इसके बाद आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में स्टाफ और संकाय सदस्यों और उनके परिवार के सदस्यों ने विभिन्न



नृत्य, गीत, संगीत और स्किट का प्रदर्शन किया। इसमें बॉलीवुड शैली, हिप हॉप, समकालीन और राजस्थानी से लेकर विभिन्न नृत्य प्रदर्शनों की प्रस्तुति हुई। इनमें डेढ़ साल के बच्चे से लेकर 53 साल की महिला ने भी भाग लिया। विभिन्न एकल गीत भी पेश किए गए।

## आइआइएम : भाव पूर्ण नृत्य



इंदौर. आइआइएम इंदौर के स्थापना दिवस कार्यक्रम में नृत्य की भावपूर्ण प्रस्तुति देती आर्टिस्ट। देखें @ पेज 20

# एक परिवार की तरह होना चाहिए संगठन

इंदौर। नईदुनिया रिपोर्टर

आईआईएम इंदौर ने 23 वां स्थापना दिवस गुरुवार को मनाया। इस दिन संस्थान के सदस्यों को सम्मानित किया गया और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। मुख्य अतिथि फ्यूचर ग्रुप के फूड बिजनेस के सीईओ सदाशिव नायक थे। संस्थान के निदेशक प्रो. हिमांशु राय

ने आईआईएम इंदौर की

अब तक की यात्रा की जानकारी देने के साथ एक राष्ट्र, एक ग्रह और एक ब्रह्मांड की बात की।

उन्होंने कहा हमें सोचने की जरूरत है कि वास्तव में नींव का क्या मतलब है और यह क्या है जिससे कि देश या दुनिया की स्थापना की जाना चाहिए। उन्होंने कहा मेरा मानना है कि मानव जाति की नींव धर्म है। धर्म का मतलब आस्था या आपके विश्वास प्रणाली से नहीं है। मेरा मानना है कि मनुष्यों का धर्म मानवता होना चाहिए। मनुष्यों और जानवरों के बीच मानवता ही एकमात्र अंतर है।

**व्यापार के प्रत्येक पहलू  
के बारे में सोचें**

नायक ने कहा प्रत्येक संगठन को एक परिवार की तरह होना चाहिए और

प्रमुख को एक ऐसा नेता होना चाहिए जो सभी की परवाह करे। हमारी कंपनी में, स्टोरकर्ता को, उसके माता-पिता द्वारा चाबी सौंप दी जाती है। ताकि नेता को टीम के प्रति जिम्मेदारी और स्नेह की भावना हो। सफलता प्राप्त करने के लिए हमें समुद्र में छोटी बूंदों पर ध्यान देना चाहिए और प्रत्येक कर्मचारी को अपने आत्मविश्वास और धैर्य को विकसित करने पर ध्यान देना चाहिए।

**आईआईएम  
इंदौर में 23वां  
स्थापना दिवस  
समारोह  
आयोजित**

उन्होंने अपनी बात समाप्त करते हुए कहा कि हमें व्यापार के प्रत्येक पहलू के बारे में सोचना चाहिए न कि केवल औसत के बारे में। इस

अवसर पर, संस्थान ने सर्वश्रेष्ठ शिक्षक और सर्वश्रेष्ठ स्टाफ सदस्यों के लिए एक पुरस्कार समारोह भी आयोजित किया। इसके अलावा, संस्थान में 10-20 वर्ष की सेवा पूरी करने वाले कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया। पुरस्कार पाने वालों में सर्वश्रेष्ठ शिक्षक के लिए प्रो. हर्षल लोवालेकर और प्रोफेसर संजीव त्रिपाठी। सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी के लिए अमित प्रकाश शर्मा, अभिनव परमार, हरिकिशन नायर और अन्य साथियों को सम्मानित करते हुए नगद राशि दी गई।



# IIM-I's mission is to produce socially conscious leaders: Rai



**OUR STAFF REPORTER**  
Indore

At the 23rd foundation day of Indian Institute of Management Indore on Thursday, director Himanshu Rai said the institute's mission is to prepare socially conscious leaders.

"These leaders should follow the ten attributes of dharma, namely- Dhriti (dhairya), Kshama (forgiveness), Dam (control over mind), Asetya (non-covetousness), Shauch (clean mind and body), Indriyanigrah (consciousness), Dhiya (wisdom), Vidya (understand difference between being educated and literate), Satyam (follow truth) and Akrodh (control over anger)," he said.

He stated that at this foundation day, they need to take a pause and think what foundation really means.

"I believe that the foundation of humankind is dharma. And by dharma, I don't mean religion or your belief system. I believe that the dharma of humans should be humanity," he said. He said that humanity is the only differentiation between humans and animals.

Chief Guest for foundation day function was Sadashiv Nayak, CEO, Food Business, Future Group.

Nayak shared his learning from his experience while working at Future Group.

Nayak said that every organization should be like a family and the

head should be a leader who cares for all. "In our company, the store karta, is handed over the key by his or her parent, so that the leader has a sense of responsibility and affection towards the team," he said.

He said that in order to achieve success, people should pay attention to the 'little drops in the ocean' and focus on grooming every employee, developing his/her self-confidence and patience.

On this occasion, the institute also held an award ceremony for the Best Teachers and Best Staff Members. Apart from this, employees who have completed their 10/20 years of service at the institute were also felicitated.

The children of the faculty and staff members who have performed very well in the academics were also given certificates. The children who performed exceptionally well in the extra-curricular activities also received certificates. The day also witnessed a cultural evening ULLAS 2019, wherein the staff and faculty members; and their family members performed various dance, song and skits.

## THE AWARDEES

**BEST TEACHERS:** Professor Harshal Lowalekar and Professor Sanjeev Tripathi (Rs 1 Lakh each)

**BEST STAFF:** Amit Prakash Sharma, Abhinav Parmar, Harikishan Nair MM (Rs 30,000 each) and Unni K R (Rs 40,000)



# कोई वस्तु चुराने से बड़ी चोरी है देरी से पहुंचकर लोगों का समय बर्बाद करना, काम में 100 प्रतिशत न देना : राय

IIM इंदौर के 23वें फाउंडेशन डे पर बोले सदाशिव नायक, हिमांशु राय

## ORATION

सिटी रिपोर्टर . इंदौर

आईआईएम इंदौर के 23वें फाउंडेशन-डे पर बिजनेस फ्यूचर ग्रुप के सीईओ सदाशिव नायक स्टूडेंट्स और फैकल्टी से मुखातिब थे। पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन से अपनी बात समझाते हुए उन्होंने बिजनेस के कड़वे-मीठे अनुभव बताए और काम में नवरस का समावेश दिखाया। श्रृंगार, वीभत्स, रौद्र, क्रोध, हास्य, शांति, करुणा, वीर, अद्भुत हर रस नज़र आया उनके प्रोडक्ट स्केच में। इस मौके पर बेस्ट फैकल्टी, बेस्ट स्टाफ को अवार्ड दिए गए। वहीं संस्थान में 10 और 20 साल सेवा दे चुके कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम उल्लास-2019 प्रस्तुत किया गया।

डायरेक्टर हिमांशु राय ने संस्थान की स्थापना के उद्देश्यों और लक्ष्यों को आध्यात्मिक सोच के साथ भेदते हुए कहा - धर्म का मतलब रिलीजन बिल्कुल भी नहीं है। हमारे और पशु के बीच में फर्क सिर्फ धर्म का है। शास्त्रों में लिखा है - आहार निद्रा भय मैथुन च सामान्यमेतत पशुभिर्नराणाम्। धर्मो हि तेषाधिको विशेषः धर्मेण हीनाः पशुभिः समानाः। मतलब आहार, निद्रा, भय, मैथुन तो इंसान और पशु में समान हैं। इंसान में केवल धर्म विशेष है। धर्म रिलीजन नहीं बल्कि मानवीयता है और हमारे भीतर मानवीयता का विकास ही धर्म है। उन्होंने कहा, इस संस्थान के होने का मतलब क्या है? हम जिम्मेदार लीडर्स पैदा करना चाहते हैं। जिनका कोई वैल्यू सिस्टम हो। धृति क्षमा दमोस्तेयं, शौचं इन्द्रियनिग्रहः/ धीर्विद्या सत्यम अक्रोधो, दसकं धर्म लक्षणम्। अर्थात् धर्म के 10 लक्षण होते हैं, धैर्य, क्षमा, संयम, चोरी न करना, स्वच्छता, इन्द्रियों को वश में रखना,



सदाशिव नायक

बुद्धि, विद्या, सत्य और क्रोध न करना। ये जिम्मेदार लीडर के लक्षण हैं। इसके बाद राय ने सभी लक्षणों को समझाया। उन्होंने धैर्य को मनुष्य का पहला धर्म बताया। कहा - चीजों के पीछे मत भागिए। फैसले लेने के पीछे मत भागिए। जजमेंट देने के पीछे मत पड़िए। यह सुनिश्चित कीजिए कि आप धैर्यवान हैं। लक्ष्य एक रात में हासिल नहीं किए जाते। मन का नियंत्रण जरूरी है, क्योंकि जागृत अवस्था में ही नहीं सुप्तावस्था में भी इच्छाएं जागृत रहती हैं। हिमालय पर चढ़कर प्रार्थना करनेवालों में मेरी श्रद्धा नहीं क्योंकि दुनिया में उनका कोई योगदान नहीं। भगवान कृष्ण योगी हैं, लेकिन लोगों के बीच रहकर उन्होंने निष्काम



प्रो. हिमांशु राय

कर्म पर विश्वास करना सिखाया। उन्होंने कहा, चोरी नहीं करने का आशय वस्तु चोरी करने से नहीं है बल्कि अगर हम इस कार्यक्रम को आधे घंटे देरी से शुरू करते हैं तो इस हॉल में बैठे जितने लोग हैं उसे इस आधे घंटे में मल्टीप्लाय करिए और देख लीजिए कि आपने लोगों का उतना समय चुराया है। काम में 100 प्रतिशत नहीं दिया मतलब कुछ चुराया है।

शरीर एक मंदिर है। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ दिमाग होता है। यदि आपका शरीर स्वस्थ नहीं है तो आप यूजफूल और प्रोडक्टिव वर्क नहीं कर पाएंगे। इन्द्रियों पर नियंत्रण का मतलब है कान के कच्चे मत बनो। जो आप सुनते-देखते हैं उन सब पर विश्वास मत करो। उसे गहराई से सोचो। हम आज बायपोलर दुनिया का निर्माण होते देख रहे हैं, क्योंकि हम बहुत जल्दी जजमेंटल हो जाते हैं। हम बहुत जल्दी घृणा करने लग जाते हैं। इसी तरह से किसी को हीरो बनाने में भी जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। पहले गहराई से सोचना होगा। फिर लीडर में बुद्धि की बात आती है तो अगर किसी को अक्षर ज्ञान नहीं है, इसका मतलब यह नहीं है कि वह बुद्धिमान नहीं हो सकता। वह पढ़े-लिखे इंसान से ज्यादा बुद्धिमान हो। आप जितना पढ़ोगे आपको अनुभव होगा कि सीखने के लिए अभी बहुत कुछ बाकी है।



# Best of faculty and staff felicitated by IIM-I

TIMES NEWS NETWORK

**Indore:** Every organization should be like a family and the head should be a leader who cares for all, said CEO, Food Business, Future Group, Sadashiv Nayak, who was present as chief guest on 23rd foundation day of Indian Institute of Management (IIM) Indore.

"We should think of each aspect of business, and not just average. Don't be judgmental, and look for happiness in little things," said Nayak, who with the help of all the 'nine rasa' of feelings shared his learning while managing the organization.

The inauguration took place with lamp lighting by Nayak and IIM Indore director Himanshu Rai on Thursday. Rai welcomed guests and shared the journey of IIM Indore along with the journey of a nation, a planet and a uni-

**On Foundation Day, institute held an award ceremony for the best teachers and best staff members. Employees who have completed a decade or two decades of service at the institute were also felicitated**

verse which has humans at its core. "This Foundation Day, we need to take a pause and think what foundation really means and what it is that a country or the world should be founded on. I believe that the foundation of humankind is dharma. And by dharma, I don't mean religion or your belief system," he said.

On this occasion, the institute also held an award cere-



**FOUNDATION DAY:** Children of staff and faculty of IIM Indore at the Foundation Day event on Thursday

mony for the best teachers and best staff members. Employees who have completed a decade or two decades of service at the institute were also felicitated.

It was followed by a cultural programme ULLAS 2019, where the staff, faculty members and their family performed. The theme for this year's ULLAS was in accordance

with 'Ek Bharat Shreshtha Bharat'. The event witnessed participation of a kid as young as 1.5 year old in the fashion show, to a Rajasthani dance by a 53-year-old woman.

**Times of India, October 4, 2019, Page-3**